Daily Gospel Reflections in Hindi

23 July 2019

मारकूस 1:29-34

JESUS HEALS THE MOTHER-IN-LAW OF PETER

पेत्रुस की सास को स्वास्थ्य लाभ– संत मारकुस के अनुसार प्रभु येसु का यह दूसरा चमत्कार है। पेत्रुस का घर गलीली समुद्र के उत्तर छोर में, कफरनाहुम में था। गलीली को ही प्रभु ने अपनी कर्म भूमि बनाई थी। विश्राम के दिन प्रभु हमेशा सभागृह जाते थे। उस दिन भी विश्राम के दिन होने के कारण प्रभु सभागृह गये, प्रार्थना की, उपदेश दिये, और एक मनुष्य से अपदूत को निकाले। तत्पश्चात वे शिष्यों के संग पेत्रुस के घर गये और पेत्रुस की बीमार सास को चंगा किया। संध्या होने पर नगर के लोग बीमारों और अपदूतग्रस्त लोगों को प्रभु के पास लाये और प्रभु ने उन्हें चंगा किये।

इस घटना से दो बात उभरकर निकलती है। वह एक विश्राम के दिन था। और उस दिन काम करने को मना था। नगर के लोग संध्या होने पर, याने, विश्राम दिवस का समय पूरा होने पर (यहूदी लोग विश्राम दिवस शुक्रवार संध्या से शनिवार संध्या तक ही मनाते थे) बीमारों को प्रभु के पास ले आते है। लेकिन प्रभु विश्राम के दिन सभागृह में ही किसी अपदूतग्रस्त को चंगा किया था। इसका मतलब यह है कि प्रभु समय के पाबन्ध नहीं है। प्रभु का मत था कि विश्राम के दिन भलाई करने की आज्ञा है। हम कभी भी प्रभु के पास जा सकते है। हम अक्सर समय के अनुसार ही प्रभु के पास जाते है। समय के अनुसार ही हम प्रार्थना करते है। और प्रार्थना या मिस्सा थोड़ी लंबी होने पर हम या तो भुनभुनाने लगते है, या उठकर चले जाते है। जीवन में जब तकलीफ आने लगती है, तो हम हाथ धोकर प्रभु के पीछे पड़ जाते है। तो हमें याद रखना चाहिए–

''दुःख में सुमिरन सब करें
सुख में करें न कोय।
जो सुख में सुमिरन करे तो
दुःख काहे को होय''

दूसरी बात यह है कि चंगाई करने से पहले प्रभु सभागृह में प्रार्थना की थी (Mk. 1:21)। उसी तरह, चंगाई के बाद भी प्रभु एकांत में जाकर प्रार्थना करते है (Mk. 1:35)। शिष्यों को लगा कि वहां के लोगों की मदद करने के बजाय प्रभु वक्त जाया कर रहें हैं (Mk. 1:37)। लेकिन प्रभु कहते है– ''हम आस–पास के कस्बों में चलें। मुझे वहाँ भी उपदेश देना है'' (Mk. 1:38)। हमें कभी नहीं भूलना चाहिए कि हम जो भी भलाई करते है, उस का स्रोत प्रभु है। ''मुझ से अलग रहकर तुम कुछ भी नहीं कर सकते'' (Jn. 15:5)। कभी–कभार हम कुछ अच्छा करने के बाद लोगों की वाह–वाही में खो जाते है। प्रभु को भूलने की जुर्रत कर बैठते है, सोचने लगते है कि ये सब हम ने किया है। ऐसे लोगों के लिए प्रभु चेतावनी देते है ''पानी बरसा, नदियों में बाढ़ आयी, आँधियाँ चली और उस घर से टकराई। वह घर ढह गया और उसका सर्वनाश हो गया'' (Mt. 7:27)।

Rev. Fr. Rojan Chirayath

©Rights Reserved. Commission for Social Communications, Diocese of Sagar 2019